भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-230
उत्तर देने की तारीख-25/11/2024

केन्द्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों में संविदा आधारित शिक्षकों का नियमितीकरण

230. श्री उज्जवल रमण सिंह:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान राज्य-वार, विशेषकर उत्तर प्रदेश में, कितने केन्द्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय खोले गए हैं;
(ख) इन केन्द्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों में स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) और प्राथमिक शिक्षकों (पीआरटी) के लिए सृजित नियमित पदों की कुल संख्या कितनी है;
(ग) क्या इन केन्द्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों में पीआरटी, पीजीटी और टीजीटी शिक्षक संविदा आधार पर कार्य कर रहे हैं;
(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का संविदा आधार पर कार्यरत इन शिक्षकों की सेवाओं को नियमित करने का विचार है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) केंद्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) और नवोदय विद्यालय समिति (नविस) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूरे देश में पिछले पांच वर्षों (अर्थात वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22, 2022-23 और 2023-24) के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में 09 केवि और 02 जनवि सहित 57

केंद्रीय विद्यालय (केवि) और 18 जवाहर नवोदय विद्यालय (जनवि) स्थापित और कार्यात्मक बनाए गए हैं। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण संलग्न हैं।

(ख) केवि को अपेक्षित अवसरंचना की उपलब्धता के अनुसार चरणबद्ध तरीके से खोला जाता है और कक्षा 12वीं तक इनकी अवसरंचना में सतत वृद्धि होती रहती है। तदनुसार, अवसरंचना, अर्थात कक्षाओं, प्रयोगशालाओं आदि की उपलब्धता के आधार सभी संवर्गों में ये पद कार्यशील है। वर्तमान में, इन केवि में पीजीटी के 19 पद, टीजीटी के 516 पद और पीआरटी के 439 पद (कुल 974 नियमित पद) कार्यशील हैं।

इसके अतिरिक्त, जनवि में छठी से बारहवीं तक की कक्षाएं (उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाएं) हैं। टीजीटी संवर्ग के पद कक्षा VI से संस्वीकृत किए जाते हैं, जबकि पीजीटी संवर्ग के पद विद्यालय के कक्षा-IX स्तर और उसके पश्चात कक्षा-XI तक पहुँचने पर स्वीकृत किए जाते हैं। तदनुसार, वर्तमान में, इन जनवि में पीजीटी के 53 पद और टीजीटी के 173 पद (कुल 226 नियमित पद) संस्वीकृत / सृजित किए गए हैं।

(ग) से (ङ) केविसं और नविस मानदंडों के अनुसार अपेक्षित योग्यता रखने वाले संविदा शिक्षकों को स्थानांतरण, सेवानिवृत्ति, छुट्टी आदि के कारण समय-समय पर उत्पन्न होने वाले संस्वीकृत पदों के विरुद्ध अल्पावधि के आधार पर नियुक्त किया जाता है, ताकि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया बाधित न हो। केवि और जनवि में संविदा शिक्षकों को नियमित करने का कोई प्रावधान नहीं है क्योंकि छात्रों के शैक्षणिक हितों की रक्षा हेतु उनकी नियुक्ति एक पूर्णतया अस्थायी उपाय है।

*****

अनुलग्नक

माननीय संसद सदस्य श्री उज्ज्वल रमण सिंह द्वारा 'केन्द्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों में संविदा आधारित शिक्षकों का नियमितीकरण' के संबंध में दिनांक 25.11.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 230 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

पिछले 05 वर्षों के दौरान खोले गए केवि और जनवि का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	देश भर में पिछले पांच वर्षों के दौरान खोले गए केवि की संख्या	देश भर में पिछले पांच वर्षों के दौरान खोले गए जनवि की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	02	-
2.	अरुणाचल प्रदेश	04	01
3.	असम	02	01
4.	बिहार	01	-
5.	छत्तीसगढ	02	-
6.	दिल्ली	01	03
7.	गुजरात	01	03
8.	हरियाणा	03	-
9.	हिमाचल प्रदेश	01	-
10.	जम्मू और कश्मीर	01	02
11.	झारखंड	04	-
12.	कर्नाटक	02	-
13.	मध्य प्रदेश	06	-
14.	मेघालय	-	03
15.	ओडिशा	06	-
16.	पंजाब	02	01
17.	राजस्थान	02	-
18.	तमिलनाडु	03	-
19.	त्रिपुरा	01	02
20.	**उत्तर प्रदेश**	**09**	**02**
21.	उत्तराखंड	02	-
22.	पश्चिम बंगाल	02	-
	कुल	**57**	**18**

*****